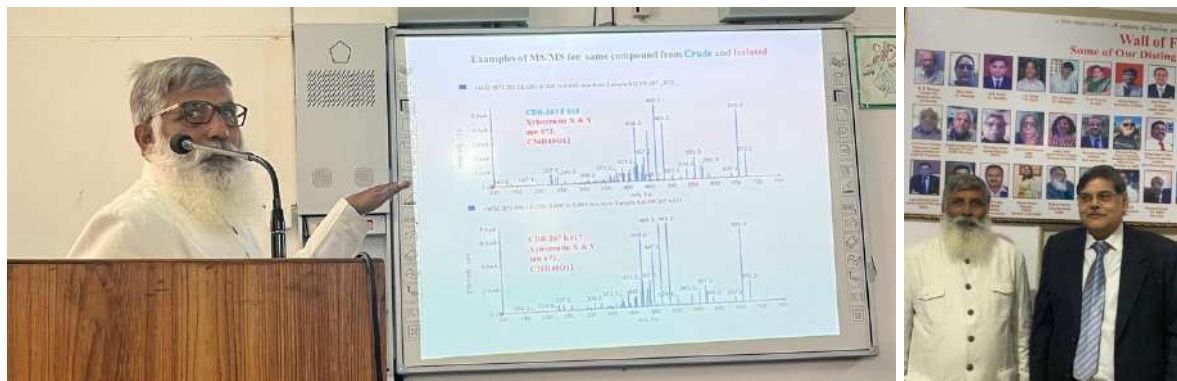


Report on Lecture 4 of Alumni Lecture Series

The Department of Chemistry had initiated Alumni Lecture Series in the department. In this series, the fourth lecture was delivered by Prof. Brijesh Kumar, retired chief scientist of SAIF, CDRI Lucknow on December 2, 2022. Prof. Brijesh Kumar did his M.Sc. Chemistry in 1985 from the department. In this program Prof. Naveen Khare, Faculty of Yoga and Alternative Medicine was the guest of honour. The program began with Prof. Anil Mishra, Head of the Department by welcoming the guests who apprised the audience about the progress and activities of the department and the purpose of this Alumni Lecture Series and also mentioned that it was with the support of all faculty members that this program could be made possible. The speaker as well as the Guest of Honour were welcomed with memento by Dr. Ashok Kumar Singh and Dr. Pragati Kushwaha. Prof. Mishra said that it is worth mentioning that the mementoes given were made by an employee of the department Ms. Barkha. Thereafter, Dr. Vinay Kumar Singh introduced the speaker of the day to the audience.

In his lecture on “**Application of MS and LCMS in Herbal Drug Research**” Dr. Brijesh Kumar presented a wide overview about the mass spectrometry and its role in Herbal Drug Research. He focussed on how mass spectrometry is important herbal drug research especially paan leaves and also presented the necessary knowhow related to this very important area. He also mentioned how one can do the fingerprinting of any biological samples using DART- Mass Spectrometry. Dr. Sudheer proposed a vote of thanks. He especially thanked Dr. Brijesh Kumar for sparing his valuable time to the department. At the end Prof Mishra thanked Prof. Brijesh for delivering the lecture and said that such lecture series will be continuing in future also. In this lecture all the faculty members and research scholars of the Chemistry department were present.





Video on YouTube

[https://youtu.be/ amYRCmSvic](https://youtu.be/amYRCmSvic)

AMRIT VICHAR PAGE 4

रसायन विज्ञान विभाग में शुरू हुई व्याख्यान श्रृंखला

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल मिश्रा ने विभाग की प्रगति और गतिविधियों और इस पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य से अवगत कराते हुए कार्यक्रम का आगान किया। इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार सिंह और डॉ. प्रमति कुशवाहा ने बक्ता के साथ-साथ विशिष्ट अतिथि का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।



हर्बल ड्रग रिसर्च में एमएस और एलसीएमएस के अनुप्रयोग पर अपने व्याख्यान में डॉ. डॉ.

बुजेश कुमार ने मास स्पेक्ट्रोमेट्री और हर्बल ड्रग रिसर्च में इसकी भूमिका के बारे में एक विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्री महत्वपूर्ण हर्बल औषधि

अनुसंधान विशेष रूप से पान के पत्ते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डॉट-मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके किसी भी जैविक नमूने की फिंगरप्रिंटिंग कैसे की जा सकती है। डॉ. सुधीर ने धन्यवाद

जापित किया। उन्होंने विभाग को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए डॉ. बुजेश कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। अंत में प्रो. मिश्रा ने प्रो. बुजेश को व्याख्यान देने के लिए, धन्यवाद दिया।

LOK SATYA PAGE 3

हर्बल ड्रग रिसर्च में एमएस और एलसीएमएस के अनुप्रयोग पर व्याख्यान
हर्बल ड्रग रिसर्च में 'मास स्पेक्ट्रोमेट्री' पर चर्चा

लखनऊ, लोकसत्य

रसायन विज्ञान विभाग ने विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला शुरू की थी। इसी कड़ी में चौथा व्याख्यान प्रोफेसर बुजेश कुमार, सैक, सोबीआरआई लखनऊ द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. नवीन खरे, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान के विशिष्ट अतिथि थे।



कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए की, जिन्होंने श्रोताओं को विभाग की प्रगति और गतिविधियों और इस पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य से अवगत कराया और यह भी उल्लेख किया कि यह सभी संकाय सदस्यों के सहयोग से किया गया था। डॉ. अशोक कुमार सिंह और डॉ. प्रमति कुशवाहा ने बक्ता के साथ-साथ विशिष्ट अतिथि का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। प्रो. मिश्रा ने बक्ता कि गौरवार्थक है कि स्मृति चिन्ह विभाग को एक कर्मचारी सूची बरखा देने बचाव था। इसके बाद डॉ. विनय कुमार सिंह ने स्वीकार ऑफ द डे का दर्ताओं से परिचय कराया।

हर्बल ड्रग रिसर्च में एमएस और एलसीएमएस के अनुप्रयोग पर अपने व्याख्यान में डॉ. कुमार ने मास स्पेक्ट्रोमेट्री और हर्बल ड्रग

रिसर्च में इसकी भूमिका के बारे में एक विस्तृत सिंक्रोमेट्रीकन प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्री महत्वपूर्ण हर्बल औषधि अनुसंधान विशेष रूप से पान के पत्ते हैं और इस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रस्तुत की।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डॉट-मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके किसी भी जैविक नमूने की फिंगरप्रिंटिंग कैसे की जा सकती है।

डॉ. सुधीर ने धन्यवाद जापित किया। उन्होंने विभाग को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए डॉ. बुजेश कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। अंत में प्रो. मिश्रा ने प्रो. बुजेश को व्याख्यान देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भविष्य में भी इस तरह की व्याख्यान श्रृंखला जारी रहेगी। इस व्याख्यान में रसायन विज्ञान विभाग के समस्त संकाय सदस्य एवं शोधाधीन उपस्थित थे।

KANWHIZZ TIMES PAGE 3

रसायन विज्ञान विभाग ने विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान की शुरु की श्रृंखला

लखनऊ। रसायन विज्ञान विभाग ने पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला शुरू की थी। इसी कड़ी में चौथा व्याख्यान प्रोफेसर बुजेश कुमार सैक सीबीआरआई लखनऊ द्वारा शुरूआत किया गया। कार्यक्रम में प्रो. नवीन खरे योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए किया। जिन्होंने श्रोताओं को विभाग की प्रगति और गतिविधियों और इस पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य से अवगत कराया और यह भी उल्लेख किया कि यह सभी संकाय सदस्यों के सहयोग से किया गया था। तत्काल यह कार्यक्रम संभव हो सके। हर्बल ड्रग रिसर्च में एमएस और एलसीएमएस के अनुप्रयोग पर अपने व्याख्यान में डॉ. कुमार ने मास स्पेक्ट्रोमेट्री और हर्बल ड्रग रिसर्च में इसकी भूमिका के बारे में एक विस्तृत सिंक्रोमेट्रीकन प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्री महत्वपूर्ण हर्बल औषधि अनुसंधान विशेष रूप से पान के पत्ते हैं और इस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रस्तुत की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डॉट-मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके किसी भी जैविक नमूने की फिंगरप्रिंटिंग कैसे की जा सकती है। उन्होंने विभाग को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए डॉ. बुजेश कुमार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य से कराया अवगत



स्वातंत्र्य भारत संवाददाता, लखनऊ। शताब्दी विश्व उत्सव के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा विभाग में पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला शुरू की। इसी कड़ी में बुजेश कुमार, सैक, सोबीआरआई द्वारा दिए गए। इस कार्यक्रम में प्रो. नवीन खरे, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संस्थान के विशिष्ट अतिथि थे। इस कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए की। जिन्होंने श्रोताओं को विभाग की प्रगति और गतिविधियों और इस पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य से अवगत कराया, और यह भी उल्लेख किया कि यह सभी संकाय सदस्यों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार सिंह और डॉ. प्रमति कुशवाहा ने बक्ता के साथ-साथ विशिष्ट अतिथि का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। प्रो. मिश्रा ने बक्ता कि यह स्मृति चिन्ह विभाग को एक कर्मचारी बरखा देने बचाव था। इसके बाद डॉ. विनय कुमार सिंह ने स्वीकार ऑफ द डे का दर्ताओं से परिचय कराया। हर्बल ड्रग रिसर्च में एमएस और एलसीएमएस के अनुप्रयोग पर अपने व्याख्यान में डॉ. कुमार ने मास स्पेक्ट्रोमेट्री और हर्बल ड्रग रिसर्च में इसकी भूमिका के बारे में एक विस्तृत सिंक्रोमेट्रीकन प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे मास स्पेक्ट्रोमेट्री महत्वपूर्ण हर्बल औषधि अनुसंधान, विशेष रूप से पान के पत्ते हैं और इस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रस्तुत की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डॉट-मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके किसी भी जैविक नमूने की फिंगरप्रिंटिंग कैसे की जा सकती है। डॉ. सुधीर ने धन्यवाद जापित किया। इस व्याख्यान में रसायन विज्ञान विभाग के समस्त संकाय सदस्य एवं शोधाधीन उपस्थित थे।